

आईडब्ल्यूटीएमए और मेस हुसुम ने मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर किए हस्ताक्षर

मुंबई। आईडब्ल्यूटीएमए और मेस हुसुम ने इंडो जर्मन एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल आईजीईपी ने अक्षय ऊर्जा और स्थायी पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया।

प्रोत्साहन देने के लिहाज से दो संस्थानों ने इस विकास को आपसी सहयोग को मजबूती देने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। भारत और जर्मनी ने अपनी आबादी के लाभ के लिए पर्यावरण अनुकूल विकास के लक्ष्यों और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के उद्देश्यको साझा करते हैं। भारत के विकास की सफलता काफी हद तक संभावनाओं पर



निर्भर होंगी जिससे ऊर्जा और मांग के बीच के बड़े अंतर को भरा जा सके। पवन ऊर्जा इस संदर्भ में अहम भूमिका निभाएगी और इसलिए

आईडब्ल्यूटीएमए और मेस हुसुम ने इस विकास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग मजबूत करने को लेकर सहमति जाहिर की है।